कार्यालय पुलिस आयुक्त, दिल्ली, पुलिस मुख्यालय, नई दिल्ली।

संख्या 692/जनसम्पर्क शाखा, पु0मु0, नई दिल्ली दिनांक 4 अगस्त, 2018

सेवा में,

श्रीमान सम्पादक,
पंजाब केसरी, 111। कैलाश बिल्डिंग
के.जी.मार्ग, नई दिल्ली– 110001

विषयः– 'शर्मनाक' राजपथ पर जिस्म की मंडी, दिन ढलते ही शुरू हो जाता है'' शीर्षक व 'स्वतंत्रता दिवस पर पुलिस के हाई अलर्ट की धज्जियां उड़ाती मंडी, जिस्म का व्यापार जैसे उप–शीर्षकों के साथ प्रकाशित खबर का कड़े शब्दों में खंडन।

महोदय,

कृपया, दिनांक 4 अगस्त, 2018 को आपके समाचार पत्र में उपरोक्त शीर्षक के अन्तर्गत छपी खबर का अवलोकन करें। आपके संवाददाता श्री सतेन्द्र त्रिपाठी व फोटोग्राफर मिहिर सिंह के हवाले से प्रकाशित यह खबर पूर्णतया तथ्यहीन और बेबुनियाद है। दिल्ली पुलिस इस खबर के प्रकाशित तत्थों का पूरजोर खंडन करती है।

संवाददाता ने गृहमंत्रालय व राष्ट्रपति भवन जैसे प्रतिष्ठित सस्थाओं का जिक्र कर इस खबर को संवेदनशील और सनसनीखेज बनाने का बेवजह प्रयास किया है। साथ ही साथ संयुक्त पुलिस आयुक्त (नई दिल्ली परिक्षेत्र) के स्पष्टीकरण के बावजूद संवाददाता ने खबर में सही तथ्यों का उल्लेख नहीं किया।

गौरतलब है कि कल ही श्री मिहिर सिंह, फोटोग्राफर पंजाब केसरी ने सूचना दी थी पार्क में कुछ महिलाएँ गैर कानूनी गतिविधियों में संलिप्त है। जिस पर तुरंत संज्ञान लेते हुए थानाध्यक्ष संसद मार्ग ने अपने स्टाफ के साथ तत्काल मौके पर पहुंचे जहां पार्क में ऐसी कोई गैरकानूनी गतिविधि देखने को नहीं मिली। उस समय फोटोग्राफर श्री मिहिर सिंह भी उनके साथ मौके पर मौजूद थे। इस संबंध में थाना संसद मार्ग में 3 अगस्त, 2018 को एक डीडी एंट्री भी दर्ज है।

राजपथ देश का एक ऐतिहासिक स्थल है जो देश विदेश से आने वाले पर्यटकों का एक पंसदीदा स्थल भी है। जहां प्रतिदिन लगभग 15 हजार से अधिक सैलानी अपने परिवारों सहित भ्रमण के लिए आते है और विशेषकर सार्वजनिक अवकाश के दौरान यह आंकडा शाम के समय 50 हजार से ज्यादा तक पहुंच जाता है। इसके साथ ही राष्ट्रीय पर्व, नववर्ष तथा त्यौहारों के मौकों पर यह संख्या लाखों तक पहुंच जाती है। इसी लिए यहां पुलिस की उपस्थित बहुतायात में रहती है और विशेषकर राष्ट्रीय पर्वो के दौरान सुरक्षा व्यवस्था काफी सुदृढ़ होती है तथा आसपास के इलाके पर गहन निगरानी रखी जाती है।

इसके अलावा यह पूरा इलाका स्ट्रीट लाइटों से प्रकाशित रहता है जिससे वहां किसी भी प्रकार की अमार्यादित गतिविधि होने की संभावना बिल्कुल नहीं रहती है।

ऐसे पर्यटक स्थलों पर घूमने आए युगलों को पुलिस से भी एक मर्यादित व्यवहार की अपेक्षा रहती है। पुलिस किसी भी युगल को बेवजह जब तक की कोई आपत्तिजनक अवस्था/अश्लीलता या कोई शिकायत आदि प्राप्त नहीं होती तो अकारण रोक–टोक नहीं करती। खबर में दिखाये गये फोटोग्राफ्स भी मर्यादित दंपति को दर्शाते है न किसी अमर्यादित अवस्था को। खबर के साथ प्रकाशित एक ही फोटो को अलग–अलग एंगल से दिखाया गया है जो किसी भी नजरिये से आपत्तिजनक नहीं है।

उपरोक्त तथ्यों को मद्देनज़र रखते हुए निःसंदेह इस प्रकार के बेबुनियाद व तथ्यहीन सनसनीखेज शीर्षक एवं खबर से न केवल देश के ऐतिहासिक एवं गौरवशाली स्थल की छवि धूमिल हुई है बल्कि दिल्ली के नागरिकों की ऐसे पर्यटक स्थलों से जुड़ी भावनों को भी ठेस पहुंची है। ऐसा प्रतीत होता है कि संवाददाता ने कुंठित मानसिकता से ग्रस्त होकर एक गलत विषय उठाकर दिल्ली पुलिस द्वारा राष्ट्रीय पर्व के मौके पर की गई सुदृढ़ एवं चाक–चौबंद सुरक्षा व्यवस्था का गलत आकलंन किया है।

अतः इस संबंध में आपसे आग्रह किया जाता है कि अपने संबंधित संवाददाता को मुनासिब हिदायत दें कि भविष्य में इस प्रकार की बेबुनियाद व तथ्यहीन खबर प्रकाशित ना करें। साथ ही साथ दिल्ली पुलिस के इस स्पष्टीकरण को उचित स्थान पर प्रकाशित करने का कष्ट करें ताकि आपके पाठकों को तथ्यों की सही जानकारी मिल सके।

भवदीय,

4/3/18

(अनिल कुमार)
अतिरिक्त जनसम्पर्क अधिकारी
दिल्ली पुलिस, दिल्ली।